Roll No. ..... Total Pages : 4

4382

M.A. (Previous) Examination, 2016

HINDI LITERATURE

Paper – II

[Hindi Sahitya Ka Ethihas (Adhunic Kal)]

Time : Three Hours
Maximum Marks : 100

(खण्ड-अ) [Marks : 20]

सभी प्रश्न अनिवार्य हैं। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर 50 शब्दों से अधिक न हो। सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

(खण्ड-ब) [Marks : 50]

प्रत्येक इकाई से **एक-एक** प्रश्न चुनते हुए, कुल **पाँच** प्रश्न कीजिए। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर 250 शब्दों से अधिक न हो। सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

(खण्ड-स) [Marks : 30]

कोई **दो** प्रश्न कीजिए। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर 300 शब्दों से अधिक न हो। सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

खण्ड-अ

1. सभी प्रश्नों के उत्तर दें।

(इकाई–I)

(i) पुनर्जागरण काल में साहित्य की **दो** नवीन प्रवृत्तियों का उल्लेख करें।

(ii) आधुनिककालीन गद्य की **दो** विशेषताएँ बताएँ।

(इकाई–II)

(iii) स्वच्छन्दतावाद छायावाद से किस अर्थ में भिन्न है, कोई दो भिन्नताएँ बताएँ।

(iv) प्रगतिवाद की साहित्यिक अभिव्यक्ति के **दो** उदाहरण दें।

(इकाई–III)

(v) प्रेमचंदयुगीन किन्हीं **दो** उपन्यासकारों के नाम तथा उनके एक-एक उपन्यासों के नाम बताएँ। (प्रेमचंद के अतिरिक्त)।

(vi) किन्हीं **दो** संस्मरणकारों के नाम बताते हुए उनके **एक-एक** संस्मरण के शीर्षक बताएँ।

(इकाई–IV)

(vii) नंददुलारे वाजपेयी द्वारा छायावाद की विवेचना के लिए लिखित पुस्तक का नाम बताएं। प्रमुख स्थापना भी बताएं।

(viii) डॉ. नगेन्द्र द्वारा लिखित किन्हीं **दो** समीक्षात्मक संग्रहों के नाम बताएँ।

(इकाई–V)

(ix) दक्खिनी हिन्दी की प्रकृतिगत **दो** विशेषताएँ लिखें।

(x) सरस्वती पत्रिका के अवदान पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखें।

खण्ड-ब

(इकाई–I)

2. पुनर्जागरणकालीन उन आर्थिक, सामाजिक परिवर्तनों का विवेचन करें जिन्होंने साहित्यिक बदलाव में 'नयेपन' को उजागर किया।

अथवा

3. भारतेन्दु हरिश्चन्द्र के साहित्यिक अवदान को प्रस्तुत करें।

(इकाई–II)

4. प्रयोगवादी कविता का विश्लेषण करें।

अथवा

5. समकालीन कविता के **तीन** प्रमुख कवियों की काव्यगत विशेषताएँ लिखें।

(इकाई–III)

6. बीसवीं शताब्दी के नवें और दसवें दशक के नाटकों की विशेषताएँ लिखें।

अथवा

7. स्वतंत्रता से पूर्व की निबन्ध विधा के प्रमुख निबन्धकार एवं निबन्धों का विवेचन करें।

(इकाई–IV)

8. महावीर प्रसाद द्विवेदी युगीन आलोचनात्मक साहित्य के महत्त्व को प्रतिपादित करें।

अथवा

9. पत्र-पत्रिकाओं में प्रकाशित आलोचनात्मक समीक्षा का विवेचन करते हुए किन्हीं **दो** पुस्तकों पर समीक्षात्मक टिप्पणी लिखें।

(इकाई–V)

10. उर्दू कहानीकारों एवं कहानियों का (किन्हीं **तीन**) का परिचय दें।

अथवा

11. हंस (सं प्रेमचंद), हंस (सं राजेन्द्र यादव), आलोचना तथा पहल पत्रिकाओं के विषयगत स्वरूप का वर्णन करें।

(खण्ड-स)

(इकाई–I)

12. गद्य की प्रारंम्भिक (आधुनिककालीन) प्रवृत्तियों से उत्तरोतर द्विवेदीयुगीन गद्य की प्रवृत्तियों का विधागत विवेचन करें।

(इकाई–II)

13. नयी कविता के **चार** प्रमुख कवियों और उनकी विशेषताओं को सोदाहरण प्रस्तुत करें।

(इकाई–III)

14. कहानी से सम्बद्ध प्रमुख **दो** विमर्शों (स्त्री और दलित) से जुड़ी कहानियों की विवेचना कीजिए।

(इकाई–IV)

15. डा. रामविलास शर्मा **अथवा** डॉ. नगेन्द्र द्वारा स्थापित आलोचना के प्रतिमान बताएं तथा अपने अभिमत में उदाहरण भी प्रस्तुत करें।

(इकाई–V)

16. उर्दू के **चार** प्रमुख कवियों (शायरों) की विशेषताएँ उदाहरण सहित प्रस्तुत करें।